मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

मानविकी – संकाय

स्नातकोत्तर – राजस्थानी साहित्य

नियमित छात्रों के अध्ययन हेतु

सत्र– 2016–17

एम.ए.पूर्वार्द्ध

सत्र 2016–17

परीक्षा वर्ष–2016–17

इस परीक्षा में 80 अंकों के पांच प्रश्न पत्र होंगे। 20 अंको का आन्तरिक मूल्यांकन होगा।

द्वितीय षट्मास

1. प्रथम प्रश्न पत्र– प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **42601**

प्रथम प्रश्न पत्र – प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य **80 अंक**

इकाई प्रथम

ढोला मारू रा दूहा : ठाकुर रामसिंह, सूर्यकरण पारीक, नरोत्तमदास स्वामी

इकाई द्वितीय

वेलि क्रिसन रूकमणी री : नरोत्तमदास स्वामी

इकाई– तृतीय

मीरा वृहद् पदावली भाग एकः सम्पादकः– हरिनारायण पुरोहित प्राच्य विद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर

इकाई–चतुर्थ

उक्त तीनों पाठय पुस्तकों से ससंदर्भ व्याख्यात्मक प्रश्न

इकाई पंचम

प्राचीन काव्य रूप (रास, रासो, वेलि, पवाडा, नीसाणी, सिलोका, गीत)

सहायक पुस्तकें

राजस्थानी के प्राचीन काव्य रूप : अगर चंद नाहटा

उक्त पांचों इकाईयां तीन खण्डों में विभक्त होंगी, जिनमें निम्न प्रकार से अंकों का विभाजन रहेगा।

खण्ड 'अ' इस भाग में पाठ्यक्रम की सभी इकाईयों से कुल दस प्रश्न पुछे जायेगें। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न दो अंकों का होगा।**(10×2=20)**

खण्ड 'ब' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जायेंगे, जिसमें से एक प्रश्न करना अनिवार्य होगा। कुल दस प्रश्न होंगे जिनके विकल्प भी इसी इकाई से होंगे। प्रत्येक प्रश्न उत्तर लगभग 250 शब्दों में होगा। प्रश्न आठ अंकों का होगा।**(5×8=40अंक)**

खण्ड 'स' इस भाग में पाठयक्रम की प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जायेंगा, प्रत्येक प्रश्न दस अंकों का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दिया जा सकता है। किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर देने होगें। **(2×10=20अंक)**